# सेवा दर्शन

तुम दूध पीओ, घी खाओ, हमें बीमार गौमाता लाकर दो, हम उनके घाव भरेंगें, हम उनकी सेवा करेंगें।

देवी चित्रलेखा जी

E-mail : devichitralekha@yahoo.com, Worldsankirtan.org | Gausevadham.com | Title Code : HARBIL01123 | Vol. No. IX

## गौ सेवा धाम मे हुआ भव्य गोपाष्टमी समारोह एवं गौ महाभोज

हर साल की भांति इस साल भी भव्य गोपाष्टमी महोत्सव गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में गौ पूजन व गौ भंडारा कर मनाया गया। गोपाष्टमी का पर्व आस–पास के एवं दूर–दराज से आये श्रद्धालुओं ने प्रातःकाल हवन, कीर्तन के बाद सम्पूर्ण गौसेवा धाम की परिक्रमा करते हुए कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के उघोग एवं पर्यावरण मंत्री श्री विपुल गोयल ने गायों को गुड़ खिलाकर गोपाष्टमी पर आयोजित गोष्ठी की शुरूआत की। गौ सेवा धाम हॉस्पीटल का भ्रमण कर उन्होंने अनेकों बीमारी से ग्रसित गौ माताओं की हो रही सेवा को देखकर दिल से आभार प्रकट किया और सरकार से आवाहन करते हुए कहा कि इस प्रकार के अत्याधुनिक चिकित्सा केन्द्र के हर जिले में स्थापित होने चाहिए। इस संदर्भ में यह अस्पताल एक मॉडल हॉस्पीटल है। साथ में उन्होंने गौ माता के चारे एवं टीन शैड निर्माण हेतु 11 लाख रूपये की राशि देने की घोषणा की और कहा कि सरकार से गौ सेवा धाम के लिए एक अल्ट्रासाऊंड मशीन का प्रस्ताव रखेंगें।

देवी चित्रलेखा जी के द्वारा विपुल गोयल जी का स्वागत

गौ सेवा धाम की जानकारी लेते हुए विपुल गोयल जी

गौ माता को गुड़ खिलाते हुए विपुल गोयल जी

विपुल गोयल जी को गौ सेवा धाम की तरफ से भेंट

## गोपाष्टमी महोत्सव का उददेश्य :-

गौ सेवा धाम संचालिका देवी चित्रलेखाजी ने गोपाष्टमी के महत्व को समझाते हुए बताया की कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गौ चारण लीला शुरू की थी। गाय को गौमाता भी कहा जाता है, क्योंकि शास्त्रों के अनुसार गाय को मां का दर्जा दिया गया है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन बाल कृष्णा और बलराम ने गाय चराना शुरू किया था। ऐसा कहा जाता है कि बाल कृष्ण ने माता यशोदा से इस दिन गाय चराने की जिद की थी और यशोदा मईया ने कृष्ण के पिता से इसकी अनुमति मांगी थी, नंद महाराज ने अनुमति दे दी और एक ब्राह्मण से मिले। ब्राह्मण ने कहा कि गाय चराने की शुरुआत करने के लिए यह दिन अच्छा और शुभ है, इसलिए अष्टमी पर कृष्ण ग्वाला बन गए और उन्हें 'गोपाल' के नाम से लोग पुकारने लगे। इस आयोजन में आसपास की समस्त गौशालाओं के प्रधान व समस्त चौबीसी की सरदारी पंच तथा सरपंच, देश व विदेश से आये गौभक्त मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित हजारों की संख्या में आये हुये भक्तों के लिये भंडारा प्रसाद वितरित किया गया साथ में ही **आस–पास की समस्त गौशालाओं में 10 हजार से अधिक गायों के लिये गौ महाभोज हेतु हरा चारा, खीर, मीठा दलिया, हरी सब्जियाँ, गुड़, हजारों ताजी रोटियाँ स्वचलित रोटी मेकर मशीन के द्वारा गौसेवा धाम में तैयार कर गौशालाओं को भिजवाई गई।**

## गौ सेवा धाम में चल रही सेवाओं के कुछ द्रश्य :-

मनुष्य गायों का दूध निकालने के बाद उनको खुला छोड देते हैं जहाँ उनकी परवाह तक करने वाला कोई नही होता। खेत में घूमती हुई गौ माता किसी को आता देख भागने के प्रयास में ब्लैड और कटीले तार की तरफ दौडती है जिससे वह जख्मी हो जाती है। ब्लैड और कटीले तार से कटी हुई गौ माताओं को गौ सेवा धाम में लाकर उनकी उपचार व सेवा की जाती है।

# -: सुर्खियों में गौ सेवा धाम हॉस्पीटल :-


पलवल | अमर उजाला

## गाय के पेट में 60 किलो पॉलिथीन

डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर निकाला, गोसेवा आयोग के हो रहे दावे फेल

## कोसीकलां में घायल सांड़ का गौसेवा धाम में उपचार शुरू

## योग, धर्म और अध्यात्म का हुआ अनोखा संगम

## छोटी उम्र में बड़ा कारनामा

प्रतिभा

- पलवल की लड़की ने किया पलवल का नाम रोशन
- हरे कृष्ण कीर्तन को सौ तरीके से गा सकती है चित्रलेखा



## गो-माता को मिलेगा मानव सरीखा उपचार



## गो वंश की सेवा परम पवित्र कार्यः मोरारी बापू



## गौवंश से भरा कैंटर पकड़ा

23 गौवंश को मुक्त कराया

## गौ तस्करी के लिये ले जाये जा रहें गौवंशो को मुक्त कराया व किया उपचार

दिनांक 27 अक्टूबर 2018 को रात 2:00 बजे सूचना मिली कि एक ट्रक होडल से गौढोता रोड पर जा रहा था, सूचना मिलते ही पुलिस प्रसासन व गौ रक्षा दल एवं गौ सेवा धाम की टीम ने उसे रास्ते में पकड लिया। ट्रक के अन्दर 23 गौवंश बुरी तरह ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे। सभी को कडे रस्से से बांध कर एक के ऊपर एक डाल रखा था। डॉक्टरों के मुताबिक गौवंश काफी दिन से ट्रक में बंधे हुए थे। सभी गौवंशों को गौ सेवा धाम में लाया गया जिसमें 5 गौ वंश अपने प्राण त्याग चुके थे। बाकि गौवंशों को प्राथमिक उपचार देकर हॉस्पीटल में भर्ती किया गया।

**गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक किसानों के गौवशों को भी निःशुल्क OPD सेवा दी जाती है**

## विशेष अवसरों पर दान-दाता करते हैं गौवंश व गौ सेवकों के लिये भण्डारा

गौ सेवा सबसे बडा धर्म है। गाय में सभी देवी-देवता वास करते हैं। विशेष अवसरों पर गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में गौ माता व गौ सेवकों के लिए विशेष भण्डारे का आयोजन किया जाता है व बाहर से आये गौ भक्त जन्मदिन के उपलक्ष्य, शादी की सालग्रह व उद्यापन आदि पर गौ माता के लिए दलिया (मीठा व सादा दलिया) की सेवा देते रहते हैं व साथ-साथ गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में सेवा दे रहे गौ सेवकों के लिए भी भोजन प्रसाद की व्यवस्था की जाती है।

नोट :-

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में गौ सेवकों एवं सभी भक्तों के लिए प्रतिदिन भण्डारा किया जाता है।

# बीमार, लाचार एवं असहाय गौवंश एवं अन्य जीव-जन्तुओं का निःशुल्क इलाज

मूक प्राणी जो बोल नहीं पाते और किसी बीमारी एवं दुर्घटना से ग्रसित हैं उन सभी बेजुबानों की भी की जाती है सेवा।

# पं. टीकाराम स्वामी जी के सानिध्य में चलाया जा रहा अखण्ड हरिनाम संकीर्तन

वर्ल्ड संकीर्तन टूर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. टीकाराम स्वामी जी के सानिध्य में संचालित अखंड श्री हरिनाम संकीर्तन जो कि बृज क्षेत्र व अलग–अलग स्थानों व बृज गांव खाम्बी में 24 घंटे संचालित रहता है। अखण्ड श्री हरिनाम संकीर्तन जगह जगह ढोल व गाजे बाजे के साथ किया जाता है। दूर–दूर से आये हुए श्रद्धालु भी इस पावन हरिनाम संकीर्तन यात्रा में सम्मिलित होकर पुण्य के भागी बनते हैं। यह संकीर्तन यात्रा अब तक मथुरा, वृंदावन, नन्दगांव, फरीदाबाद, ऐलेनाबाद, बिहार, उडीसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़,, प्रयागराज कुम्भ आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर चुकी है। पूज्य देवी चित्रलेखा जी के पिताश्री पं. टीकाराम जी ने बताया कि अखण्ड श्री हरिनाम संकीर्तन यात्रा का अधिक से अधिक प्रचार करना है वर्तमान समय के तनाव भरे जीवन में यदि कुछ क्षण एकांत में हरिनाम का स्मरण करें तो यह आपके जीवन को शांतिमय बना सकता है।





**भगवान के नाम की महिमा के कुछ शास्त्र प्रमाण–**

1. नाहं बसामि बैकुण्ठे, योगिना ह्रदयेन च।
   मद भक्ताः यत्र गायन्ति तत्र त्रिष्ठामि नारदः।।

अर्थ – हे नारद जी मैं बैकुण्ठ में निवास नहीं करता हुं, न योगियों के ह्रदय में निवास करता, मेरे भक्त जहाँ मेरा कीर्तन करते हैं मैं वहीं निवास करता हूँ।

2. हरेर्नाम हरेर्नाम हरेर्नाम केवलं।
   कलौ नास्त्येव–नास्त्येव गतिरन्यथा।।

अर्थ – कलियुग में केवल हरिनाम हरिनाम सार्थक है। कलियुग में इसके अलावा कोई दूसरी गति नहीं है, नहीं है, नहीं है।

3. गोकोटिदानं गृहणेषु काशी, माघे प्रयागे यदि कल्पवासी।
   यज्ञायुतं मेरूसुवर्णदानं, गोविन्द नाम्ना न भवते् च तुल्यम।।

अर्थ – चन्द्रग्रहण में करोडों गौ दान दी जायें, जो कि असम्भव है किन्तु वह भी एक गोविन्द के नाम के बराबर नहीं है। महा के महीने में प्रयागराज में एक कल्प तक निवास किया जाए, दस हजार वैदिक यज्ञ भी इसके बराबर नहीं है। सोने का पहाड़ सुमेरू का दान भी एक नाम के बराबर नहीं है। इतना सब मिलाकर के भी भगवान के नाम की बराबरी नहीं कर सकता।

## गौ माता के पेट से पॉलीथीन निकाली

कुछ समय पूर्व गौ सेवा धाम की एम्बूलेन्स द्वारा फरीदाबाद बाईपास से एक गौ माता को लाया गया जो **Garbage** खाने से लम्बे समय से बीमार चल रही थी और कैई दिनों से कुछ नहीं खा रही थी। गौ माता को अफारा, दस्त जैसी घातक बीमारी लगी हुई थी। गौ सेवा धाम में पाँच दिनों तक दवाई देने के बाद गौ माता की सर्जरी की गई जिसको **Exploratory Rumenotomy** कहते हैं। **Romanotomy** करने के बाद **Diaguose** किया गया कि गौ माता **TRP (Traumatic Reticulopeuitonitis)** से पीडित थी। ऑपरेशन के दौरान गौ माता के पेट से 40 से 45 किलो प्लास्टिक पोलोथीन, लोहे की नुकीली कील, ब्लैड, सिक्का, आदि को निकाला गया।

1 गौ माता को एम्बूलेन्स द्वारा लाया गया

2 ऑपरेशन करते हुए

3 पॉलीथीन निकालते हुए





4 ऑपरेशन के बाद निकाली जा रही कांच व लोहे की कीलें एवं पॉलोथीन

## तुलादान कर बनें पुण्य के भागी

गौ माता की सेवा के लिए किये गये तुलादान को महादान माना जाता है। प्राचीन काल से तुलादान का इंसान के जीवन में बहुत ही महत्व रहा है। जब इंसान समस्याओं से बुरी तरह घिर जाता है ज्योतिष के सभी उपाय नाकाम हो जाते हैं तो बडी से बडी समस्या का हल तुलादान होता है। मनुष्य गम्भीर बीमारी या ग्रह दोष, पित्र दोष आदि से पीडित होता है तो अपने भार के बराबर सामान दान करता है। आपश्री भी गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में आकर गौ माता के लिए तुलादान कर पुण्य के भागी बनें।

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में तुलादान करते श्रद्धालुगण

### बीमार गौवंश के सेवार्थ गौ सेवा धाम हॉस्पीटल को जरूरी ''विस्तार योजना''

देवी चित्रलेखा जी द्वारा संचालित गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में गत वर्ष 3 वर्षों से घायल, बीमार, लाचार एवं असहाय गौवंशों की बड़े ही विस्तार रूप से निःशुल्क सेवा चल रही है। इस विशाल सेवा को देखते हुए एवं गौवंशों की बढती संख्या को देखते हुए गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में जगह की कमी पड़ रही है। ऐसे पुनीत कार्य एवं सेवा को और आगे बढाने के लिए 2 एकड़ जमीन की आवश्यकता पड़ रही है।

**84** मेम्बरों की आवश्यकता

**01** मेम्बर की सेवा राशि **2,00,000/-**

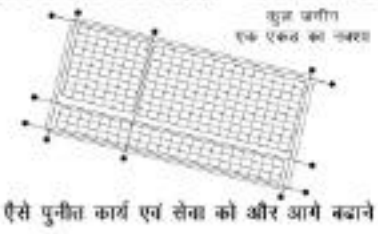

**10** मेम्बर बन गये हैं

जो भी भक्तगण विस्तार योजना में दान एवं सहयोग करना चाहते हैं, वो हमारे दिये नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैं। मो. 9991771111, 2222, 3333, 4444, 5555 ।



**Paytm Donation**

गौ सेवा धाम में भर्ती
बीमार, लाचार व असहाय गौवंश की मदद
हेतु दान कर पुण्य के भागी बनें।

For Donate Scan the QR Code
or Inter the 9991772222 Number

Gau Seva Dham Hospital
BrijDham Hodal, Palwal, Haryana (INDIA)
www.gausevadham.com | www.worldsankirtan.org

## त्वं माता सर्वदिवसाना त्वं च यज्ञस्य कारणम् ।
## त्वं तीर्थ सर्वतीर्थाना नमस्ते सदानद्ये ।।

## गौ महिमा

माता यह एक अति पावन शब्द है, जिसको सुनते या कहते ही एक प्रेममयी, करूणामयी, ममतामयी, वात्सल्यमयी, छवि मानस पटल पर उभर कर आती है। हमारी सनातन संस्कृति में आदिकाल से ही वेदों, उपनिषदों, पुराणों एवं ग्रन्थों में गौवंश की महिमा कही गई है। हमारी संस्कृति में गाय को माता की उपाधि प्रदान की गयी है। जिस प्रकार माँ अपने वात्सल्य से बच्चे का पोषण करती है, उसी प्रकार गौ माता अपने वात्सल्य से सम्पूर्ण संसार को ओज प्रदान करती है। हमारे धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय सिर्फ दूध देने वाली पशु नहीं वरन् पृथ्वी पर अमृत समान दूध देने वाली माँ है। गाय के रोम–रोम में सात्विकता है। अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष के मूल में गाय की प्रधानता है। गाय के शरीर में 33 कोटि देवी देवताओं का वास माना गया है गाय बिना किसी भेद भाव के अपने दुग्ध रस से मानव का पोषण करती है तथा उसको अपने घृत रूपी अमृत से पुष्टिवर्धक, धातुवर्धक, शक्तिवर्धक तथा सात्विक बनाती है। गाय एक चलता फिरता औषधालय है। गाय के दूध को भैंस के दूध से अधिक पौष्टिक माना गया है। गाय के दूध में सेरीब्रोसाइड नामक तत्व होता है जो मष्तिक एवं बुद्वि का विकास और अम्लपित व शरीर की गर्मी को शांत करता है। गाय के मूत्र एवं गोबर पर घातक गैसों का कोई प्रभाव नहीं पडता है जिससे कीटनाशक दवाईयां बनाई जाती हैं। गाय का पंचगव्य जैव औषधि है। गाय के पीठ व गलमाला पर प्रतिदिन हाथ फेरने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है। जिस जगह पर गौ माता का निवास होता है उस जगह पर वास्तुदोष नहीं होता है। गाय के घी से प्रतिदिन हवन करने से सभी प्रकार के कीटाणु एवं बैक्टीरिया मर जाते हैं।



## बडी धूम-धाम से मनाया गया देवी चित्रलेखा जी का जन्मदिन

हर साल की भांति इस साल 19 जनवरी ''संकीर्तन दिवस'' के रूप में बडी धूमधाम से भिलाई, छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर मनाया गया, जिसके दौरान देवी चित्रलेखा जी ने संकीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया व द्वितीय दिवस की पावन श्रीमद् भागवत कथा में प्रथम स्कंध, भगवान के 24 अवतार, व्यास नारद जी संवाद आदि लीलाओं के बारें में बताया।

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में भी देवी चित्रलेखा जी का जन्मदिन (संकीर्तन दिवस) बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस दौरान गौ माता व सभी गौ सेवकों के लिए भण्डारे का आयोजन व कीर्तन किया गया। संकीर्तन दिवस का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण विश्व में हरिनाम प्रचार करना है।

पूज्य देवी चित्रलेखा जी ने आरम्भ से ही अपने छोटे–छोटे प्रयासों को बडा प्रारूप देते हुए समस्त प्राणियों के भीतर भागवद् भावना भरने का प्रयास किया है पूरे विश्व में संकीर्तन दिवस बडे धूम–धाम से मनाया गया। भक्तों ने अपने घरों व मंदिरों में संकीर्तन का आयोजन किया एवं गौ सेवा कर पुण्य प्राप्त किया।









## गौ सेवा धाम हॉस्पीटल में आवश्यक सहयोग के प्रकार

| क्र.सं. वस्तु | राशि |
|---|---|
| 1. हॉस्पीटल में भूमि सहयोग | 2,100 /– प्रतिगज |
| 2. एक गौ माता ऑपरेशन सेवा राशि | 7,100 /– |
| 3. एक ट्रॉली भूसा चारा सहयोग | 11,000 /– |
| 4. एक ट्रॉली हरा चारा सहयोग | 21,000 /– |
| 5. गौवंशो की एक वर्ष की रोटी की सेवा | 31,000 /– |
| 6. एक गौमाता गोद | 1 लाख |
| 7. गौमाता परिक्रमा मार्ग लाईट सेवा | 2 लाख |
| 8. भूसा, खल, बिनौला, व हरा चारा प्रतिमाह | 2 लाख 21 हजार |
| 9. गौमाता के फुव्वारों के लिए सहयोग | 2 लाख 51 हजार |
| 10. बीमार गौमाताओं की दवाई सहयोग प्रतिमाह | 3 लाख 51 हजार |
| 11. कीर्तन मन्दिर निर्माण हेतु | 5 लाख |
| 12. 100X150 टीनशैड निर्माण सहयोग | 8 लाख |
| 13. ट्रैक्टर ट्रॉली सहयोग | 10 लाख |

### घायल, बीमार, लाचार एवं गौमाताओं की सेवा में 'गौ सेवा धाम हॉस्पीटल' एवं 'वर्ल्ड संकीर्तन टूर ट्रस्ट' के सहयोगीगण

नामों के क्रम में अगली लिस्ट

#### भूमि सहयोग

1. श्री संदीप मित्तल जी, रोहतक
2. श्रीमति पुष्पलता अग्रवाल, होडल
3. श्रीमति शशि बाला अग्रवाल, दिल्ली
4. श्री राजेन्द्र शर्मा एडवोकेट, फरीदाबाद
5. श्री औरव अग्रवाल, हैदराबाद
6. श्री प्रवीण बंसल

#### एक ट्राली चारा

7. श्री सीताराम बनवारी लाल, रांची
8. श्री कर्मवीर, दिल्ली
9. गुप्तदान, दिल्ली
10. श्री शिव कुमार शर्मा, नोएडा
11. श्री एल मल्होत्रा, चण्डीगढ़
12. श्री ओमप्रकाश, दिल्ली

#### एक ट्राली भूसा

13. श्री वीरेन्द्र अरोरा दिल्ली
14. श्रीमति सुशीला देवी शर्मा, कोलकाता
15. श्री बीनावेन M Patel वडोदरा
16. श्री चामुण्डा इंटरनेशनल, दिल्ली
17. श्री सतीष देसााई, अहमदाबाद
18. श्रीमति बर्षा बेन, गुजरात

#### एक वर्ष रोटी सेवा

19. श्री कमलकर वामनराव पाटिल, ओसमानाबाद
20. श्रीमति राधा प्रिया शरण, कानपुर
21. श्रीमति ओमवती अग्रवाल, गाजियाबाद
22. श्री संतोष वत्स, दिल्ली
23. श्री देवन मेहता, वडोदरा
24. श्री ओमकार मल्हारी प्रसाद, कोलकाता
25. श्रीमति हंसादेवी, जालवा
26. श्री शरद साह जी अहमदाबाद
27. श्री विनोद मसीन जी, अहमदाबाद

देवी चित्रलेखा जी के आगामी कार्यक्रम और अन्य जानकारी के लिय कृप्या सम्पर्क करें।

# गौ सेवा धाम हॉस्पीटल एवं रिसर्च सैन्टर

एन.एच.–2, होड़ल, जिला – पलवल हरियाणा (121106) भारत

फोन नं. 099177-1111, 0999177-2222, 0999177-3333, 0999177-4444, 0999177-5555

आपश्री अपना दान सहयोग निम्नलिखित खातों में भी जमा करा सकते हैं।

HDFC — World Sankirtan Tour Trust, Branch - Hodal — A/C - 50200009772054 IFSC :- HDFC0001734

State Bank Of India — World Sankirtan Tour Trust, Branch - Hodal — A/C - 34630828566 IFSC :- SBIN0004239

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda — World Sankirtan Tour Trust, Branch - Hodal — A/C - 31690200000263 IFSC :- BARB0PALWAL

punjab national bank — World Sankirtan Tour Trust, Branch - Hodal — A/C - 0204002100015807 IFSC :- PUNB0020400

AXIS BANK — World Sankirtan Tour Trust, Branch - Hodal — A/C - 915010020788340 IFSC :- UTIB0002455

## देवी चित्रलेखा जी को फॉलो एवं सब्सक्राइब करें।

facebook.com/Chitralekhaji

twitter.com/devichitraji

youtube.com/Chitralekhadeviji

instagram.com/chitralekhaji

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल से जुडें

facebook.com/GSDhospital

ई-मेल : devichitralekha@yahoo.com info@worldsankirtan.org वेबसाईट : www.worldsankirtan.org www.gausevadham.com